

देहरादून

बुधवार, 22 नवंबर 2017

10

## शैल चित्रकला की प्रदर्शनी आज से

अमर उजाला ब्यूरो

देहरादून।

शैल चित्रकला की दुनिया प्रदर्शनी का आयोजन 22 नवंबर से एमकेपी कॉलेज के सभागार में होगा। प्रदर्शनी 12 दिसंबर तक लगेगी। इस दौरान कार्यशाला भी आयोजित की जाएगी।

प्रदर्शनी के आयोजन को लेकर मंगलवार को परेड ग्राउंड स्थित दन पुस्तकालय में हुई प्रेसवार्ता के दौरान दून लाइब्रेरी एंड रिसर्च सेंटर के निदेशक बीके जोशी ने कहा कि प्रदर्शनी का आयोजन इंदिरा गांधी

एमकेपी कॉलेज के सभागार में होगा आयोजन



प्रेसवार्ता में कार्यक्रम की जानकारी देने वीके जोशी।

नेशनल सेंटर फॉर द आर्ट नई दिल्ली और दून पुस्तकालय एवं शोध केंद्र व एमकेपी कॉलेज के

सहयोग से हो रहा है। प्रदर्शनी के मुख्य अतिथि पूर्व मुख्य सचिव एमके दाम और सम्मानित अतिथि पूर्व मुख्य सचिव आईके पांडे रहेंगे। प्रदर्शनी की अध्यक्षता एमकेपी कॉलेज की प्रधानाचार्य डॉ. इंदु सिंह करेंगी। प्रदर्शनी के उद्घाटन के बाद विशिष्ट व्याख्यान और कार्यशाला भी होंगी। प्रेसवार्ता में इंदिरा गांधी नेशनल सेंटर फॉर द आर्ट के आदि दृश्य विभाग के अध्यक्ष डॉ. बीएल मल्ल, इंतहासकार ग्रो. एमपी जोशी आदि मौजूद रहे।

# एमकेपी में चित्रकला प्रदर्शनी आज से

**जागरण संवाददाता, देहरादून :** दून पुस्तकालय एवं शोध केंद्र व एमकेपी पीजी कॉलेज संयुक्त तत्त्वावधान में बुधवार से 20 दिवसीय शैल चित्रकला प्रतियोगिता आयोजित होगी। प्रदर्शनी एमकेपी पीजी कॉलेज कैपस में होगी। जिसका शुभारंभ मुख्य अतिथि पूर्व मुख्य सचिव एसके दास करेंगे। मंगलवार को इंदिरा गांधी राष्ट्रीय कला केंद्र नई दिल्ली दृश्य विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. बीएम मल्ला व दून पुस्तकालय के निदेशक प्रो. बीके जोशी

ने प्रेसवार्ता कर शैल चित्रकला प्रतियोगिता की जानकारी दी। बताया कि उद्घाटन सत्र के बाद शैल चित्रकला विषय पर बच्चों की एक कार्यशाला का आयोजन किया जाएगा। जबकि शाम चार बजे एमकेपी पीजी कॉलेज के सभागार में पुरातत्वविद व इतिहासकार प्रो. एमपी जोशी 'आर्टफैक्ट्स, पेट्रोगलिप्स एंड रॉक पैटिंग्स' पर विशेष व्याख्यान देंगे। 23 नवंबर को बच्चों के लिए इम्फ्रेसेंस शीर्षक के तहत एक कार्यशाला का आयोजन किया जाएगा।

# 03 हिन्दुस्तान

देहरादून • बुधवार • 22 नवम्बर 2017

## संक्षेप

### एनकेएची ने आज से शैल चित्रकला पर प्रदर्शनी

देहरादून। इंदिरा गांधी राष्ट्रीय कला केंद्र (आईजीएनसीए) नई दिल्ली की ओर से महादेवी कन्या पाठशाला में बुधवार से विश्व शैल चित्रकला पर प्रदर्शनी शुरू होगी। आईजीएनसीए के परियोजना निदेशक डा. बीएल मल्ला ने मंगलवार को दून पुस्तकालय में पत्रकारों को बताया कि उत्तराखण्ड में शैल चित्रकला के स्थल अल्मोड़ा, पिथौरागढ़, उत्तरकाशी, पौड़ी और चमोली जिलों में पाए गए हैं। मानव जाति की ओर से बनाई गई इस सर्वप्रथम रचनात्मक कृति के बारे में आम लोगों को जागरूक करने के उद्देश्य से शैल चित्रकला प्रदर्शनी का आयोजन किया जा रहा है।

# मानवीय प्रयासों की कहानी है शैल चित्रकला

## एमकेपी कॉलेज के सभागार में 'शैल चित्रकला की दुनिया प्रदर्शनी' का आयोजन

अमर उजाला ब्लूरो

देहरादून।

एमकेपी कॉलेज के सभागार में बुधवार को 'शैल चित्रकला की दुनिया प्रदर्शनी' का आयोजन हुआ। स्थान ही कार्यशाला भी आयोजित की जाएगी। जिसमें काषी संख्या में छात्राओं ने हिस्सा लिया।

झंदा गांधी नेशनल सेंटर फॉर डार्ट नई दिल्ली की ओर से दून पुस्तकालय एवं शोध केंद्र व एमकेपी कॉलेज के सहयोग से सभागार में प्रदर्शनी लगाई गई। माथ ही कार्यशाला भी हुई।

मुख्य अधिकारी पूर्व मुख्य सचिव आइक धांडे ने शैल चित्रकला मानवीय प्रयासों की कहानी है। आदि मानव ने अपने आश्रय खस्तों, गुफाओं और आसपास की



शैल चित्रकला प्रदर्शनी में कलाकृति देखतीं छात्राएं।

प्रकृति को चित्रों के जरिये उकेरा। इतिहास, रहन-सहन आदि की काइस आदि के बारे जिसके चलते हमें उस समय के जानकारी होती है। उन्होंने पोटिंग में भी विस्तार से बताया। विशिष्ट

'इंप्रेसेंस' विषय पर आज होगी कार्यशाला

एमकेपी सभागार में बुधस्पतिवार की 'इंप्रेसेंस' विषय पर कार्यशाला आयोजित की जाएगी। यहीं एनडीपीटजिकल मर्ट ऑफ इंडिया के डॉ. हर्षवर्धन हरिहर द्वारा 'प्रीहिस्टोरिक रॉक आर्ट' का उत्तराखण्ड भिन्नताओं की प्रदर्शनी दिया गया। एमपी जोशी ने 'प्रीहिस्टोरिक उत्तराखण्ड : आर्ट फैक्टर्स, पैट्रोगलियस एंड रॉक पैटर्स' पर विशेष अवलोकन दिया गया। इस अवसर पर एमकेपी कॉलेज की छात्राएं बड़ी संख्या में भैंगद रही, जिन्हें मॉर्टीफिकेट भी चाहते गए।

अतिथि झंदा गांधी राष्ट्रीय कला केंद्र के आदि दूर्य विभाग के अध्यक्ष डॉ. बीएल मल्ला ने कहा कि उत्तराखण्ड में शैल चित्रकला के बेहतरीन उदाहरण अल्पोडा, विधीरगढ़, उत्तरकाशी, पीड़ी और चमोली जिले में मिलते हैं।

सबसे ऊपर शैल चित्रों के स्थल अल्पोडा में हैं प्रदर्शनी का संचालन की जारी और अल्पक्षता एमकेपी की प्राचार्य डॉ. ईंटु सिंह ने किया। कार्यशाला में पुरातत्त्वविद एवं इतिहासकार प्रो. एमपी जोशी ने 'प्रीहिस्टोरिक रॉक आर्ट' का उत्तराखण्ड भिन्नताओं की प्रदर्शनी दिया गया। इस अवसर पर एमकेपी कॉलेज की छात्राएं बड़ी संख्या में भैंगद रही, जिन्हें मॉर्टीफिकेट भी चाहते गए।

देशदूत | बुधवार • 22 नवम्बर • 2017

## एमकेपी में शैल चित्र कला प्रदर्शनी आज से



शैलचित्र कला प्रदर्शनी की घोषणा की गई।

मुख्यमंत्री ।

दिल्ली गवर्नर रामचंद्र शिंह द्वारा दिनांक 22 नवम्बर 2017 की दिनांकी की गयी गवर्नर रामचंद्र शिंह के अनुसार निम्नलिखित विवरणों के अनुसार इस शैलचित्र कला प्रदर्शनी का उद्देश्य यह है कि इस शैलचित्र कला प्रदर्शनी के द्वारा जनता को इस शैलचित्र कला का अभियान और इसका विकास करना। इस शैलचित्र कला प्रदर्शनी का उद्देश्य यह है कि इस शैलचित्र कला का अभियान और इसका विकास करना।

इस शैलचित्र कला प्रदर्शनी के द्वारा जनता को इस शैलचित्र कला का अभियान और इसका विकास करना। इस शैलचित्र कला प्रदर्शनी के द्वारा जनता को इस शैलचित्र कला का अभियान और इसका विकास करना।

इस शैलचित्र कला प्रदर्शनी के द्वारा जनता को इस शैलचित्र कला का अभियान और इसका विकास करना।

इस शैलचित्र कला प्रदर्शनी के द्वारा जनता को इस शैलचित्र कला का अभियान और इसका विकास करना।

इस शैलचित्र कला प्रदर्शनी के द्वारा जनता को इस शैलचित्र कला का अभियान और इसका विकास करना।

# एमकेपी में विश्व की शैल चित्रकला प्रदर्शनी शुरू



लखनऊ में दो दिनों के अवधि में विश्व की शैल चित्रकला प्रदर्शनी शुरू हो गई है। इसके द्वारा विभिन्न देशों से आने वाली कलाकारों द्वारा बनाए गए कलाओं की विस्तृत प्रतीक्षा की जा रही है।

लखनऊ, 28 नवंबर: एमकेपी विश्व विद्यालय द्वारा आयोजित विश्व की शैल चित्रकला प्रदर्शनी का उद्घाटन आज दो दिनों के अवधि में आयोजित किया गया है। इसके द्वारा विभिन्न देशों से आने वाली कलाकारों द्वारा बनाए गए कलाओं की विस्तृत प्रतीक्षा की जा रही है।

विश्व विद्यालय के विभिन्न विभागों में आयोजित विश्व की शैल चित्रकला प्रदर्शनी का उद्घाटन आज दो दिनों के अवधि में आयोजित किया गया है। इसके द्वारा विभिन्न देशों से आने वाली कलाकारों द्वारा बनाए गए कलाओं की विस्तृत प्रतीक्षा की जा रही है। इसके द्वारा विभिन्न देशों से आने वाली कलाकारों द्वारा बनाए गए कलाओं की विस्तृत प्रतीक्षा की जा रही है।

विश्व विद्यालय के विभिन्न विभागों में आयोजित विश्व की शैल चित्रकला प्रदर्शनी का उद्घाटन आज दो दिनों के अवधि में आयोजित किया गया है। इसके द्वारा विभिन्न देशों से आने वाली कलाकारों द्वारा बनाए गए कलाओं की विस्तृत प्रतीक्षा की जा रही है। इसके द्वारा विभिन्न देशों से आने वाली कलाकारों द्वारा बनाए गए कलाओं की विस्तृत प्रतीक्षा की जा रही है।

ਪ੍ਰਾਚੀਨੀ ਪੰਡੀ ਲੋਕਾਂ ਦੀ ਪ੍ਰਤੀਕੀ ਯਾਦ ਸੁਆਹੀ, 12 ਟਿੱਬੇਵਾਂ ਤੋਂ ਪਾਂਧੀਂ ਦੀਆਂ ਬੁਜ਼ੂਕੀਆਂ ਦੀਆਂ

## टैल पित्रकला से जानें मानव की रचनाएं

www.mechanics.com

other hand, might prove more considerably. He observes in the second edition that it is difficult to prevent the author from writing his book in such a way as to make it difficult for others to understand it.

qui étaient alors à cette époque les dernières personnes voulues le laisser faire et pour cette raison elles avaient été nommées dans l'ordre des choses au pape. Mais lorsque il fut question de leur faire faire le sacrement de confirmation il fut trouvé qu'il n'y avait pas d'autre chose à faire que d'ouvrir le sacrement de confirmation aux deux dernières personnes.

#### **Area of study**

species of each before treatment  
practical effects of such treatments  
are not known and also there is  
no information on the effectiveness  
of such treatments.

the next table, compare the total time required to do the very first

and the role of the government in the economy. In general, we can see the government's role as being to regulate markets and to provide public goods and services. The government also has a role in redistributing income through taxation and welfare programs. It is important to understand how the government functions in order to fully appreciate its role in the economy.

...you guarantee you never have to return to this place again because it's like the prison of depression and despair that you've been living in. No, she didn't really



For more information about the National Institutes of Health, visit the NIH website at [www.nih.gov](http://www.nih.gov).

other countries also have similar  
laws, but it's unlikely that most of  
them apply to your specific case.

which all species belong. See *Classification*, *Systematics* or *Botany* for details of systematic division.

Finally, you can also add a *ultimo* entry before the one from the *ultimo* file.